हम जिंदगी लूटाने

हम जिंदगी लुटाने आये है तेरे दर पे,
अपना तुम्हे बनाने आये है तेरे दर पे,

सब कुछ लुटा चुके है इक जिंदगी है बाकी,
वो भी तुम्हे लुटादू एसी पिलादे साथी,
दिल की लगी सुनाने आये है तेरे दर पे

तुम मुझसे क्यों खफा है ये तो जरा बता दो,
परदा जरा उठा दो जलवा जरा दिखा दो,
विनती तुम्हे सुनाने आये है तेरे दर पे,

जब तक ये जिंदगी है तुमको करे गे सेरा,
गलियों में तेरी प्यारे डाले रहे गे डेरा,
अब तेरी ही किरपा से आये है तेरे दर पे

स्वर : विनोद अग्रवाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10689/title/hum-zindgi-lutaane-aaye-hai-tere-dar-pe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |